चेहरे का लकवा
(फेशियल पैरालिसिस)
तथ्य और भ्रांतियाँ

चेहरे का लकवा जीवन के हर पहलू पर असर करता है। सिर्फ चेहरा ही टेड़ा नहीं होता है बल्कि रोगी का अपने बारे में दृष्टिकोण (Attitude) ही बदल जाता है। दूसरा व्यक्ति सबसे पहले हमारा चेहरा ही देखता है। हमारे चेहरे से ही हमारे भाव (Expression) भी दिखते हैं। एक तरफ का चेहरा कमजोर होने से रोगी के भाव उसके चेहरे पर ठीक से नहीं आते हैं बोलना, हँसना तथा अन्य भाव चेहरे पर अजीब से दिखते हैं। रोगी अपना चेहरा किसी को दिखाने के लायक नहीं समझता है। चेहरे का लकवा रोगी को मानसिक क्षति भी पहुंचाता है।

चेहरे की मॉसपेशियाँ निम्नलिखित काम करती हैं –

1. चेहरे के भावों (Expression) को व्यक्त करती हैं।
2. बोलने में मदद करती हैं। (Help in Speaking)
3. खाना खाते समय या पानी पीते समय वह खाना या पानी को मुँह से बाहर नहीं आने देती हैं।
4. आँखों की सुरक्षा (Eye Protection) करती हैं।

महान दार्शनिक सिसरो ने कहा –

हमारा चेहरा हमारी आत्मा का प्रतिबिम्ब है।

“The face is the image of the soul”

- Cicero

फेशियल पैरालिसिस में एक तरफ का चेहरा कमजोर हो जाता है। क्योंकि यह अचानक होता है तो रोगी को लकवा अथवा ब्रेन टयूमर शक होता है। इसके लक्षण (Symptoms) निम्नलिखित है –

1. रोगी सुबह उठकर मुँह धोते समय पानी से कुल्ला करता है तब वह पानी दूर न गिरकर कमजोर ओंठों के पास से फैल जाता है, खाना खाते समय खाना कमजोर साइड़ गाल में फंस सकता है।
2. रोगी हँसता है तो उसका चेहरा सामान्य साइड़ खिच जाता है।
3. एक ओर की ऑख पूरी तरह बंद नहीं होती है तथा उसमें दर्द, पानी आना एवं लालपन भी हो सकता है।
4. रोगी के खाने का स्वाद बदल सकता है।
5. रोगी को कान के पीछे, कान में, गर्दन के पीछे तथा गर्दन में दर्द भी हो सकता है। चेहरे पर भारीपन सा लगता है। यह दर्द चेहरे के लकवे के होने के 2–3 दिन पहले भी शुरु हो सकता है। यह सब लक्षण तथा परेशानियाँ चेहरे के लकवे के होने के बाद ही रोगी को समझ में आती है।
6. जिस और रोगी का चेहरा कमजोर होता है उसे उस तरफ के कान में ज्यादा आवाज आती है व आवाज बुरी भी लग सकती है।

7. इस बीमारी के रोगीयों को उदासीनता, तनाव, चिड़चिड़ाहट, गुस्सा तथा चिंता आदि होती है। बाहर जाने में, लोगों से बात करने में, उसको शर्म आती है। इस कारण रोगी अपना चेहरा छुपाने की कोशिश करता है। रोगी को नकारात्मक विचार आते हैं जैसे–उसका चेहरा ठीक नहीं होगा आदि।
8. अन्य लक्षण – सुनाई कम देना, चक्कर आना, निगलने में कठिनाई आदि।

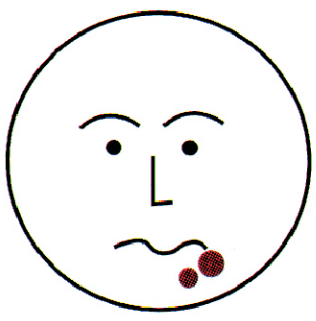

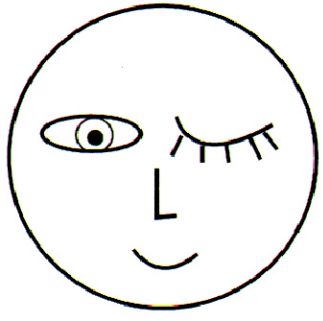

निराशा होने से बीमारी बहुत बड़ी एवं भयंकर दिखती है। जो भी सुधार आता वह नहीं के बराबर लगता है।

2. चेहरे का लकवा क्यों होता है ?

कारण–

1. हरपीज सिम्पलेक्स वायरस (Herpes Simplex),
2. हरपीज जोस्टर वायरस (Herpes Zoster) इसमें रोगी को अत्यधिक दर्द तथा कान के अंदर या बाहर दाने भी दिख सकते हैं। जोस्टर वायरस में नस कहीं ज्यादा क्षतिग्रस्त होती है।
3. मधुमेह (Diabetes),
4. सिर में चोट (Trauma),
5. कान में पस (Otitis -media),
6. ब्रेन की गंभीर बीमारी जैसे (क्लॉट, ट्यूमर) (Brain Attack, Tumor) आदि।

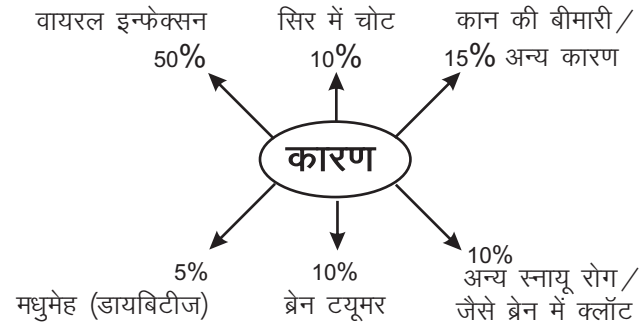

गलत धारणा

रोगी को यह ड़र रहता है कि उसके एक साइड़ के हाथ व पैर कमजोर तो नहीं हो जायेंगे। 50% रोगीयों को चेहरे का लकवा वायरल इनफेक्शन के कारण होता है। इसमें हाथ व पैर में कमजोरी फैलने की संभावना कम होती है। चेहरे का लकवा ब्रेन की नसों में खून जमने के कारण सिर्फ 10% रोगीयों को होता है।

3. चिकित्सक द्वारा परिक्षण–

सबसे पहले चिकित्सक रोगी का परिक्षण करके यह देखता है कि रोगी को चेहरे की नस में खराबी के साथ किसी अन्य नस में खराबी तो नहीं है जैसे कि सुनने, संतुलन, व खाना खाने की नस में कमजोरी तो नहीं है। हाथों व पैरों की नस में खराबी तो नहीं है (Gullian Barre Syndrome) । यह भी देखा जाता है कि उसी साइड़ के हाथ पैर कमजोर तो नही हो गये हैं जो कि ब्रेन की नस में खून जमने का लक्षण है (Brain Attack)। आँख में सूजन (Papilledemma) की जाँच से ट्यूमर आदि की जाँच की जाती है।

एम.आर.आई. मशीन (M.R.I.)

4. जाँचें (Investigation) -

1. डायबटीज के लिये शुगर (Blood Sugar) की जाँच कराई जाती है ।
2. एम.आर.आई. (M.R.I.) की जाँच– 80 से 90 प्रतिशत रोगियों को इसकी जरुरत नहीं पड़ती है। एम. आर. आई. जाँच निम्नलिखित परिस्थतियों में कराई जाती है–

1. मस्तिक में गठान (Tumour) की शंका होने पर।
2. नस में खून का जमना (Brain Attack)
3. सुधार नहीं आना (3 महीने के अंदर)।
4. कान से कम सुनाई देना,
5. शरीर के किसी अन्य भाग में कैंसर होने पर

चेहरे की नस की करेंट द्वारा जॉच

Electro physiological test -

इलेक्ट्रोफिजियोलॉजीकल जाँच के द्वारा चेहरे के लकवे की तीव्रता के साथ यह देखा जाता है कि मस्तिष्क की किसी अन्य नस में कोई खराबी तो नहीं आई है।

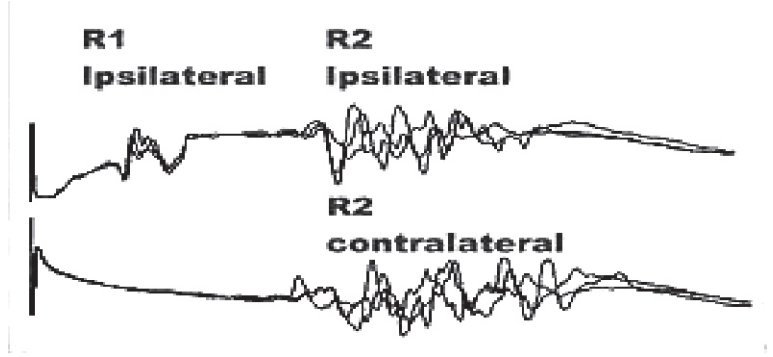

चेहरा कितने समय में ठीक हो जायेगा ?
सुधार धीरे–धीरे आता है। 1 से 3 महीने में 85 प्रतिशत मरीज ठीक हो जाते हैं। जिनके चेहरे की नस की जॉच में कम खराबी आई हो (<75% Nerve Damage) तथा हरपीज सिम्पलेक्स वायरस (Herpes Simplex Virus) के लक्षण हों।

5. कुछ महत्वपूर्ण तथ्य –

1. फेशियल पैरालिसिस शुरुआत के 7 दिनों में बिगड़ने की संभावना रहती है।
2. 10 प्रतिशत लोगों को यह बीमारी दूसरी बार भी हो सकती है।
3. गर्भावस्था में यह रोग होने की संभावना ज्यादा रहती है।
4. 85 प्रतिशत रोगी पूर्णतः ठीक हो जाते हैं ।
5. 10 प्रतिशत रोगियों को चेहरे का लकवा दूसरी साइड़ भी हो जाता है।
6. चेहरे के लकवे के मरीज अपना रोजाना का (Daily routine) कार्य कर सकते हैं रोगी को आराम की आवश्यकता नहीं है।
7. चेहरे में लकवे के रोगियों को एक से डेढ़ महीने तक दर्द हो सकता है यह दर्द कान में, कान के पीछे, चेहरे पर, गर्दन मे हो सकता है। दर्द में टेबलेट अल्ट्रासेट/गुडरिल (Tab. Ultracet/Tab. Gudril) ले सकते है। दिन में एक तथा जरुरत पढ़ने पर दिन में 3 भी ली जा सकती है।

6. उपचार (Treatment) - लकवा होने के 48 से 72 घंटों के बीच में (Steroids) देने से जल्दी सुधार आता है। साथ ही (Antiviral Drug) दवाइयाँ भी दी जाती हैं। स्टेरोइड़स (Steroids) से ब्लड़शुगर तथा ब्लड़प्रेशर बढ जाता है। डायबिटीज तथा ब्लड़प्रेशर के रोगियों को अपने स्थानीय चिकित्सक से ब्लड़शुगर तथा ब्लड़प्रेशर की जाँच कराते रहना चाहिये। स्टेरोइड़स (Steroids) से चेहरे पर सूजन आ जाती है। इससे घबराना नहीं चाहिए।

7. चेहरे का व्यायाम (Facial Exercise) -

चेहरे का व्यायाम (Exercise) सुधार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस विशेष पद्वति से रोगी को बोलने में खाना खाने में तथा चेहरे के भावों में समानता आती है तथा वह शीघ्र ही अपने रोजाना के कामों में लग जाता है। दवाइयों के साथ साथ व्यायाम करना भी आवश्यक है।

पुनर्वास के उद्देशय (Rehabilitation Goals)

1. **आँख को पूरी तरह बंद करने की कोशिश।**
2. **चेहरे के टेड़ेपन को कम करना।**
3. **चेहरे के भावों को सामान्य करना।**

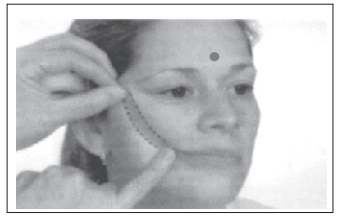
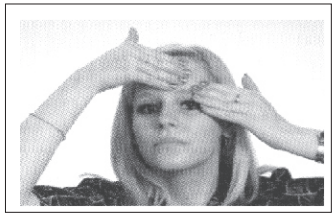
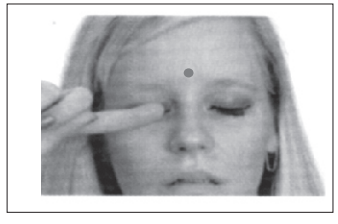

8. आँख की देखभाल (Eye Care)

लकवा ग्रस्त साइड़ की आँख पूरी तरह बंद ना होने के कारण ऑख से पानी आना, दर्द तथा लालपन हो सकता है अतः इसमें (Artificial tear drops) का उपयोग किया जाता है। आँख को धूल, धूप एवं धुयें से बचाना चाहिये। धूप में काले चश्मे का प्रयोग करना चाहिये। मोटर साइकिल एवं स्कूटर पर बैठने में आँख को हवा से बचाना चाहिये। आँख में यदि बहुत तकलीफ हो तो आँखों के डॉक्टर से मिलना चाहिये।

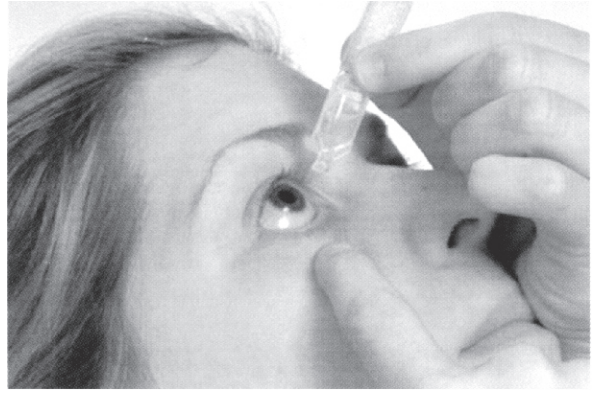

9. भोजन (Diet) –

चेहरे के लकवे के रोगी को खाने में किसी प्रकार के परहेज की आवश्यकता नहीं होती है। स्टेरोइड़स की दवाइयों को लेते समय नमक और शक्कर का सेवन कम करना चाहिए। (10 से 15 दिन) शीतल पेय जैसे कोक आदि का सेवन भी कम करना चाहिये। रोगी चाय पी सकता है। डायबिटीज के रोगी को डायबिटिक डाइट लेना है।

10. अन्य जानकारी –

1. रोगी पंखा और कूलर की हवा में सो सकता है। हवा सीधे आँख पर नहीं लगना चाहिये।
2. कान या चेहरे पर मफलर और तौलिया बांधने की जरुरत नहीं है।
3. चेहरे का मेकअप कर सकते हैं।

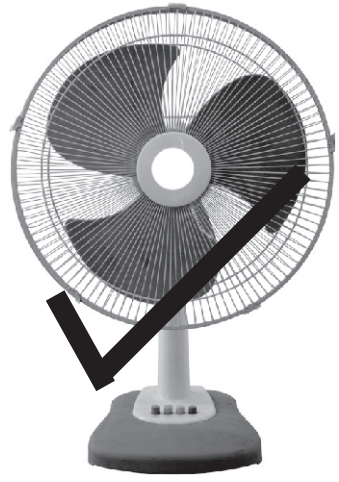

चेहरे पर तेल आदि की मालिश ना करें इससे आपका चेहरा जलकर खराब हो सकता है।

जिस प्रकार आपका मोबाइल फोन खराब होता है तो आप उसे किसी भी व्यक्ति से तो नहीं सुधरवाते हैं परन्तु आप एक ऑथोरॉइज्ड़ सेन्टर पर जाकर उसे दिखाते हैं। इसी प्रकार क्या आप अपने चेहरे का उपचार किसी भी अनऑथेरॉइज्ड़ (Unauthorized) व्यक्ति से करा लेंगे। लोग अज्ञानता के कारण अपना चेहरा तेल से जला लेते हैं। ज्यादा व्यायाम करके चेहरा टेढा कर लेते हैं।

11. सुधार कम एवं धीरे–धीरे आने के कारण–

1. उम्र 50 वर्ष से ऊपर।
2. बहुत मानसिक तनाव। चेहरे के लकवे के मरीज अपने चेहरे को लेकर चिंतित रहतें हैं चिंता करने से सुधार देर से आता है। अपनी बीमारी से संबंधित शंकाओं का समाधान अपने चिकित्सक से अवश्य करवायें।
3. मधुमेह की बीमारी।
4. तीव्रदर्द के साथ चेहरा कमजोर होना।
5. उपचार में देरी (5 दिन से अधिक)
6. इलेक्ट्रोडायग्नोसिस जाँच में ज्यादा खराबी।

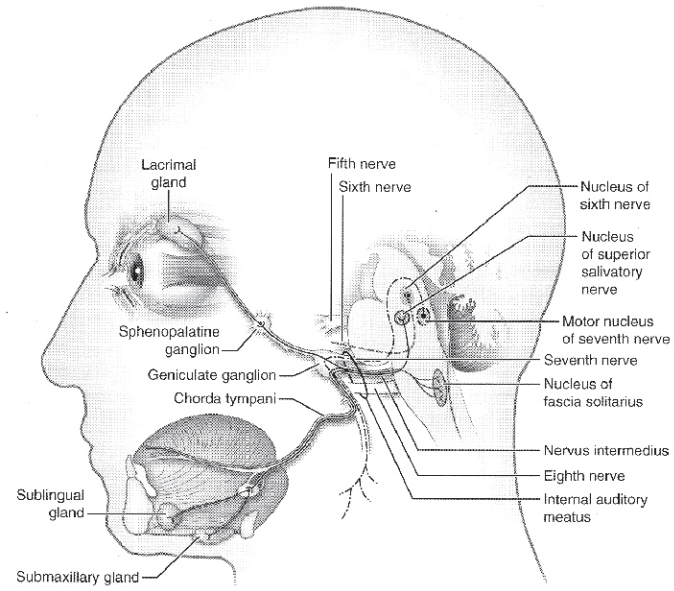

Reference-

- *BMJ 2004;329:553–7*
- *Bells Palsy Prognosis and treatment in adult. Up to Date 5 May 2014*
- *Otol Neurotol 24:677–681, 2003.*
- *J Clin Aesthet Dermatol. 2011;4(3):45–49.*
- *Pt. informatin: Bells Palsy (Beyond the Basics) Up to Date 10 Aug 2013*
- *Bells Palsy. Pathogenesis clinical features and diagnosis in adult Up to Date May 3, 2014*
- *Electromyography and Neuromuscular disorders. Elsevier Publication 2013*
- *Emergency Neurology. Springer Publication 2013*

अन्य प्रकाशन

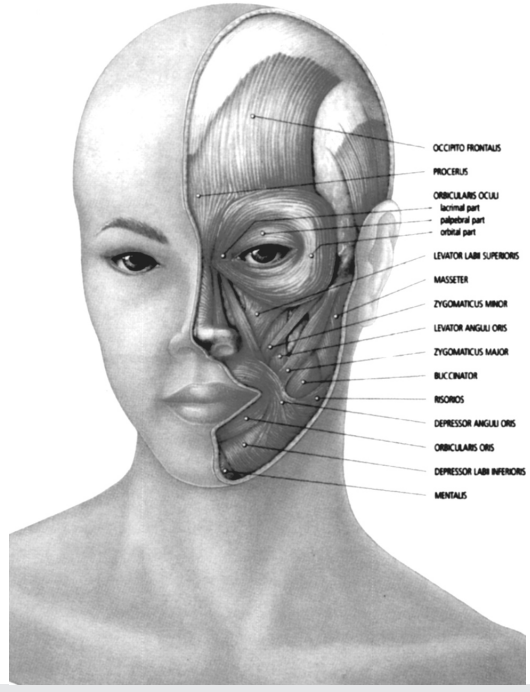

अन्य जानकारी के लिये संपर्क करें –

डॉ. अजित वर्मा

न्यूरोफिजिशियन

'न्यूरो क्लीनिक'

अक्षय हास्पिटल, ऋषि नगर, चार इमली,
एकांत पार्क के सामने, भोपाल
फोन–0755–2430467, 2430991

समय – प्रातः 10:00 से 2:00 बजे तक
(शनिवार एवं रविवार अवकाश)

चेहरे का लकवा

चेहरे का लकवा (Facial Paralysis) एक आम समस्या है। इस बीमारी से रोगी को दुख तथा तनाव होता है। चेहरे के लकवे के रोगीयों में सुधार धीरे–धीरे 2 से 3 महीने में आता है। रोगी को धैर्य रखना चाहिये। चेहरे के लकवे के 80 प्रतिशत रोगी ठीक हो जाते हैं। चेहरे का व्यायाम (Facial Exercises) इसका मुख्य उपचार है। इस किताब को पढ़ने के बाद भी यदि आपके मन में कोई शंकायें (Doubts) रह जाती हैं तो आप उनका समाधान करवा सकते हैं। हम आपकी शंकाओं के समाधान हेतु समर्पित हैं। चेहरे का करेंट से उपचार, एक्यूप्रेशर से, विभिन्न प्रकार के तेल एवं क्रीम से तथा और अन्य स्थानीय पद्वतियों का चेहरे के लकवे में कोई उपयोग नहीं है। डॉ. वर्मा ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सरल व्यायाम पद्वति को रोगियों हेतु तैयार किया हैं। इस पद्वति के लिये फिजियोथेरेपिस्ट (Physiotherapist) की आवश्यकता नहीं पड़ती है।

चेहरे के व्यायाम की सी.डी.
(Facial Rehabilitation CD)
उपलब्ध है।

समय – प्रातः 10 : 00 से 2 : 00 बजे तक
(शनिवार एवं रविवार अवकाश)